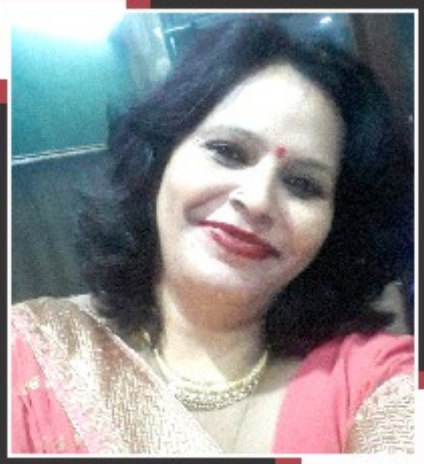

दो शब्द

ग्रामीण एवं पर्वतीय उत्थान समिति (रजि)0 के गठन के दस वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रकाशित की जा रही है इस पत्रिका के समस्त प्रमाणिक दस्तावेज एक स्मारिका के रूप में संकलित कर आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुये मुझे बड़े गर्व का अनुभव हो रहा है और आनन्द के इन क्षणों में मैं एक आलौकिक अनुभव के साथ यह महसूस कर रही हूँ कि परम् पिता परमेश्वर के असीम आर्शीवाद के कारण ही इस पुनीत कार्य को अंजाम तक पहुंचाना संभव हो पाया है। किसी संस्था के कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत करते समय यह डर हमेशा ही बना रहता है कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े एक संगठन की विस्तृत जानकारी सीमित पन्नों में जनसामान्य के बीच पहुँचाने की इस जिम्मेदारी में न जाने कौन सा पहलू अनछुआ रह जाय और एक बहुआयामी संगठन के कार्यो का विवरण सचित्र प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सार्वजनिक जीवन जी रहे तमाम चरित्रों में से किसी एक को भी नाराज न कर दें। उक्त स्मारिका को संकलित करते वक्त मेरा पूरा प्रयास रहा है कि में अपने विचारों व शब्दों से एक निश्चित दूरी बनाते हुऐ समिति के कार्यकलापों, सोच व काम करने के तरीके से आपको रूबरू कराने की कोशिश करूँ और इन प्रयासों के चलते ही व सीमित स्थान के प्रतिबंध के कारण विभिन्न कार्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण दिया जाना संभव नही हो पाया है। इसलिऐ श्रुति पाठकों से अनुरोध है कि वह इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी पाने के लिऐ समिति की वेबसाइट www.gpus.org पर लॉग ऑन कर अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अवगत् करा सकते है। हमें यह कहने में फक्र महसूस होता है कि विगत् दस वर्षो पूर्व कुछ घरेलू व कामकाजी महिलाओं के विचारों से जनमी यह संस्था, ग्रामीण एवं पर्वतीय उत्थान समिति (रजि0) इन दस वर्षों में इतनी आगे बढ़ चुकी है कि वर्तमान में समिति द्वारा पूर्व में किये कार्यो का आंकलन करना व जीवन्त संघर्षों को याद करना एक सुखद अनुभूति प्रदान कर रहा है। समिति को इस मुकाम तक पहुँचाने के लिऐ हम अपने तमाम वरीष्ठ व कनिष्ठ साथियों को धन्यवाद देते हुये उनसे एकबार पुनः यह अपील करना चाहते है कि जनहित के इस सार्वजनिक होम में अपनी आहुति देने के लिऐ वह हमेशा तत्पर व तैनात नजर आयेंगे तथा जनहितकारी कार्यों के प्रति आपका जोश, उमंग और जुनून इसी तरह बना रहेगा।

दिल की भावनाओं को कागज पर उकेरनें के लिऐ जिस कलम की कारीगारी की जरूरत होती है वह शायद मेरे पास नही है और न ही मैं अपनी कलम के माध्यम से कोई बड़ा चमत्कार करने की सिद्धहस्त ही हूं लेकिन इसके बावजूद मैं स्वंय को गर्वान्वित महसूस कर रही हूँ कि अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के साथ ही साथ समिति द्वारा यह जो महती जिम्मेदारी मुझे प्रदान की गयी थी उसे शब्दों की श्रंखला में पिरोकर आपके सम्मुख प्रस्तुत करने में मैं सफल रही हूँ।

आशा करती हूँ कि मेरा यह प्रयास आपको पसंद आयेगा और आने वाला कल हमारी इस कोशिश को एक ऐतिहासिक दस्तावेज की तरह महत्व देगा।

जयहिन्द!!

आपकी
ममता पंत
सचिव
ग्रामीण एवं पर्वतीय उत्थान समिति

चिराग पब्लिकेशन्स डी–2, शिवलोक कॉलोनी, लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास देहरादून से मुद्रित।

संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम, पते, व्यवसाय एवं पदभार, जिनको संस्था नियमों के अनुसार वर्तमान में कार्यभार सौंपा गया है।

क्र.सं.	नाम व पिता/पति का नाम	व्यवसाय	पता	पद
1.	श्रीमती गीता जोशी पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश जोशी	गृहणी	ग्राम सकलोनी अध्यक्ष (देवीनगर), पो.ओ. देवीनगर, बेरीनाग, जिला पिथौरागढ़	अध्यक्ष
2.	श्रीमती अलका सुयाल पत्नी श्री देवकी नन्दन सुयाल	समाजसेवा	ग्राम गंगापुर, पो.ओ. हल्दूचौड़, लालकुँआ, नैनीताल	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती ममता पंत पत्नी श्री संजीव पंत	पत्रकार	वाणी विहार, गली नं. 4, शिवलोक रायुपर, देहरादून	मंत्री
4.	श्रीमती योगिता पन्त पत्नी श्री राजेश चन्द्र पंत	व्यवसाय	बी–32, सेल अपार्टमेन्ट, वसुन्धरा एल्कलेव, नई दिल्ली	कोषाध्यक्ष
5.	श्रीमती इन्दुजोशी पत्नी श्री गणेश जोशी	नौकरी	गोरा पाडाव हल्द्वानी, नैनीताल	ऑडिटर
6.	श्रीमती विनीता बिष्ट पत्नी श्री सी0एस0 बिष्ट	गृहणी	दरोगा भवन पूर्वी पोखरखाली अल्मोड़ा, उत्तरांचल	सदस्य
7.	श्रीमती प्रीति जोशी पत्नी श्री योगेश के. जोशी	गृहणी	बी–12/ए, शिववालय बंग्ला अपोजिट अक्षय धाम बाग्ल (नियर गारमेन्ट ट्यूबवैल) बेपल अहमदाबाद, गुजरात	सदस्य
8.	श्रीमती सुचित्रा भार्गव पत्नी श्री राजीव भार्गव	गृहणी	662, कृष्णापुरी, ईदगाह रोड, मुजफ्फरनगर	सदस्य

प्रधान कार्यालय :
19सी सुभाष रोड, डूंगा हाउस (होटल पेसेफिक के पीछे) देहरादून

केन्द्रीय कार्यालय :
मकान नं0 57, जज इनक्लेव, अहिंसा खण्ड–2, शांति गोपाल हॉस्पिटल के सामने, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद

संस्था के उद्देश्यों को लेकर आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुँचाने में हमारे विशेष सहयोगी व कार्यकर्ता

संजीव पंत

शबनम कुरेशी

अंजू बिष्ट

मंजू मेहता

गायत्री दमटा

विनीता सती

सुनीता मेहरा

लियाकत अली

विशाल सागर

संस्था का उद्देश्य :–

1. **रोजगार :–** संस्था बेरोजगार युवक एवं युवतियों को स्वरोजगार के लिए निःशुल्क प्रेरित करेगी। कैरियर काउन्सलिंग कैम्पों का आयोजन वृहद स्तर पर निःशुल्क आयोजन करेगी। पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से बेराजगारों को जोड़कर सरकारी योजना को उन तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

2. **सांस्कृतिक योजना :–** संस्था सांस्कृतिक गतिविधियों भारतीय सभ्यता,पर्यटन विकास हेतु सांस्कृतिक गतिविधियों क संचालन करेगी।

3. **श्रमिक उत्थान :–** संस्था कुशल–अकुशल श्रमिकों को निःशुल्क चैरिटेबल के माध्यम से उचित रोजगार प्राप्त करने में सहायता करेगी। असंगठित क्षेत्र में तथा भवन निर्माण आदि कार्यों में कार्यरत श्रमिकों का जीवन स्तर, बुनियाद सुविधायें रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान का प्रयास करेगी। तथा बन्धुआ श्रमिक व बाल श्रमिक उत्थान के लिए प्रयास करेगी, जिस हेतु श्रमिकों द्वारा कोई शुल्क देय नहीं होगा।

4. **स्वास्थ्य सेवा :–** संस्था जन कल्याणीकारी सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी योजना पोलियों उन्मूलन, टी0वी0 उन्मूलन एड्स, परिवार कल्याण हेतु परिवार नियोजन एवं अन्य टीकाकरण सेवाओं को जन–जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका अदा करेगी। अंध निवारण एवं नेत्रदान शिविरों का संस्था आयोजन करेगी।

5. **शिक्षा :–** संस्था बाल शिक्षा, महिला शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा की दिशा में सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करेगी। गरीब, बेसहारा बच्चों की शिक्षा हेतु विद्यालयों का निर्माण, निर्धन एवं योग्य विद्यार्थियों हेतु जाति–धर्म का भेदभाव किये बिना तकनीकी शिक्षा संस्थान पॉलीटेक्निक आदि का निर्माण एवं संचालन निःशुल्क चैरिटेबल आधार पर करेगी।

6. **वृक्षारोपण एवं जड़ी–बूटी संवर्धन :–** संस्था द्वारा वृक्षारोपण हेतु जन जगरूकता उत्पन्न करेगी, प्रदूषण मुक्त वातावरण एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष रूप से वृक्ष लगाये जायेंगे। वृक्षों के पतन को हतोत्साहित किया जायेगा, जड़ी–बूटी उगाकर उनकी संवर्धन किया जायेगा, चाय बाग संरक्षण का विशेष प्रयास किया जायेगा।

7. **सामाजिक बुराई :–** संस्था बाल विवाह, छूआछूता, भेदभाव ऊँच–नीच को मिटाने एवं विधवा विवाह अन्तर्जातिय विवाह, दहेज, उन्मूलन को प्रोत्साहित किया जायेगा।

8. **महिला उत्थान :–** संस्था महिलाओं को निःशुल्क शिक्षा, कढ़ाई, बुनाई प्रशिक्षण, विधवा, दहेज उन्मूलन आदि कार्यों के लिएप्रोत्साहन देगी। परिवार नियोजन को बढ़ावा देगी। महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना। स्त्री शोषण के विरूद्ध विशेष कार्यक्रम चलाने का संस्था प्रयास करेगी।

9. **प्राकृतिक आपदा :–** संस्था किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय शासन व सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेगी, अतिवृष्टि, बाढ़, भूकम्प, सूखा जैसी आपदा में तन–मन–धन से संस्था पीड़ितों को सहयोग करेगी।

10. **सेवा :–** संस्था आज जन की सेवा हेतु हर प्रकार की सामाजिक कुरीति को मिटाने हेतु दृढ़ संकल्प रहेगी। गरीबों, पीड़ितों को उनका अधिकार व हक दिलाने का निःशुल्क व चैरिटेबल आधार पर प्रयास करेगी तथा सक्षम सरकारी एवं अर्द्धसरकारी उपक्रमों में सहायता लेकर स्वास्थ सेवा शिक्षा, विधिक सेवा के क्षेत्र में सहायता हेतु समस्त प्रयास करेंगे तथा इस संस्था के समस्त उद्देश्य अव्यवसायिक एवं चेरटेविल है।